



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 1, 2013/वैशाख 11, 1935

No. 89]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 1, 2013/VAISAKHA 11, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)  
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय  
जांच शुरुआत अधिसूचना  
नई दिल्ली 30 अप्रैल, 2013  
(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी नामक “रबड़ रसायनों” के आयात तथा चीन जन.गण और कोरिया आर.पी.के. मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएस-13 (6 पीपीडी) के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच की शुरुआत के संबंध में।

सं. 15/1/2013-डीजीएडी : समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्प्रश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1975 (जिसे एतद्प्रश्चात पाटनरोधी नियमावली अथवा नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्प्रश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण से आयातित एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी (जिन्हें एतद्प्रश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) और चीन जन. गण. तथा कोरिया आर.पी. (जिन्हें एतद्प्रश्चात संबद्ध देश कहा गया है) से पी एस-13

1773 GI/2013

(1)

(6 पी पी डी) (जिन्हें एतदप्रश्नात संबद्ध वस्तु कहा गया है) नामक रबड़ रसायनों के आयात पर 01 अक्टूबर, 2008 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/5/2007-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण करने की सिफारिश की थी। इस अंतिम जांच परिणाम के आधार पर, सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर राजस्व विभाग ने दिनांक 12 दिसम्बर, 2008 की अधिसूचना सं. 133/2008-सीमाशुल्क के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था। कोरिया आरपी से पीएक्स-13 (6पीपीडी) के आयातों के संबंध में इन निष्कर्षों को प्राधिकारी ने दिनांक 05 अगस्त, 2011 की अंतिम जांच निष्कर्ष अधिसूचना सं. 15/21/2010-डीजीएडी के तहत की गई एक मध्यावधि समीक्षा जांच के तहत संशोधित कर दिया और इसके पश्चात कोरिया आरपी से पीएक्स-13 (6पीपीडी) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क को दिनांक 20 सितम्बर, 2011 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 92/2011 के तहत संशोधित किया गया था।

### **समीक्षा का अनुरोध**

2. और यतः, घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं नेशनल आर्गनिक कैमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एन ओ सी आई एल) मुम्बई ने उक्त समीक्षा करने का अनुरोध किया तथा प्राधिकारी का प्रथम व्यष्ट्या साक्ष्यों के आधार पर विचार है कि चीन और कोरिया आर पी से पीएक्स-13 (6पीपीडी) और चीन से एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी नामक रबड़ रसायनों के आयातों पर प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच प्रक्रिया को प्रारंभ करना यह आकलन करने के लिए उपयुक्त होगा कि क्या उक्त शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता पाटन को दूर करने के लिए आवश्यक है और यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाए या उसमें कोई अंतर कर दिया जाए अथवा दोनों बातें कर दी जाएं तो क्षति की निरंतरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति बने रहने की संभावना है।

### **समीक्षा के आधार**

3. यह अनुरोध प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और निरंतरता बनाए रखने के लिए है। यह अनुरोध इस आधार पर आधारित है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात पर पाटनरोधी शुल्क का का अधिरोपण करने के बावजूद पाटन की निरंतरता बनी हुई है और चूंकि प्रभावी पाटनरोधी शुल्क का स्वरूप एवं उसकी प्रमाणा अपर्याप्त है इसलिए संबद्ध देशों से पाटन के कारण घरेलू उद्योग को निरंतर हो रही है। आवेदनकर्ता ने आगे तर्क दिया कि संबद्ध देशों के विस्तृ पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा उसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। आवेदक यह भी दावा करते हैं कि पाटनरोधी उपाय का प्रतिसंहरण करने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति बढ़ जाएगी और, इस कारण, इस शुल्क को पांच वर्षों की अन्य अवधि के लिए बनाए रखना अपेक्षित है।

### **घरेलू उद्योग**

4. यह आवेदन संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों की ओर से मैं नेशनल आर्गनिक कैमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एन ओ सी आई एल) मुम्बई द्वारा दायर किया गया है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार आवेदक का संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात है और इसलिए वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग बनता है।

### विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित रबड़ रसायन हैं:-
- एमबीटी, जिसका रासायनिक विवरण 2-मरकैप्टो बैंजोथियाजोल है, इसके अन्य व्यापार/बैण्ड नाम नाम एक्सीलरेटर एम, एक्सीलरेटर एमबीटी आदि हैं।
  - सीबीएस जिसका रासायनिक विवरण एन-साइक्लोहेक्साइल-2-बैंजोथियाजोल सल्फेनामाइड है, इसके इसके अन्य व्यापार नाम/बैण्ड नाम एक्सीलरेटर सी जेड, एक्सीलरेटर एचबीएस, सीबीएस आदि हैं।
  - टीटीक्यू, जिसका रासायनिक विवरण पलिमराइज़ 2, 2,4 -ट्रिमिथाइल-1,2-डिहाइड्रोकिंगोलाइन है, है, इसके अन्य व्यापार नाम/बैण्ड नाम टी एम आर अथवा एण्टिआक्सिडेन्ट आरडी आदि हैं।
  - पीबीआई, जिसका रसायनिक विवरण एन-(साइक्लोहेक्जाइलिथियो) थैलिमाइड है, इसके अन्य व्यापार नाम/बैण्ड नाम एंटी स्कार्ब एजेंट सीटीपी, पीबीआई आदि हैं।
  - टीएमटी, जिसका रासायनिक विवरण टेट्रामिथायलथियुरम डाइसल्फ्युड है, इसके अन्य व्यापार नाम/बैण्ड नाम एक्सीलरेटर टीएमटीडी थियुराम सी आदि हैं।
  - पी एक्स-13 (6 पीपीडी) जिसका रासायनिक विवरण एन-(13-डाइमिथायल ब्यूटायल)-एन किनायल-किनायल-पी-1 है इसके अन्य व्यापार नाम/बैण्ड नाम 6 सी, पिल्फ्लेक्स 13, साइरनटाक्स 4020, एण्टीआक्सीडेन्ट 4020, कुम्होनेक्स 13, वल्केनाक्स 4020 आदि हैं।

6. चूंकि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है इसलिए इस जांच में विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो मूल जांच में था। ऊपर वर्णित रबड़ रसायनों का प्रयोग प्राकृतिक रबड़ तथा सिन्थेटिक रबड़ आधारित यौगिकों का उपचार करने के लिए किया जाता है। इस उत्पाद का 8 अंकीय स्तर का प्रतिबद्ध वर्गीकरण नहीं है। ऐसा उल्लेख किया गया है कि इन उत्पादों का आयात सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय अध्याय 29 एवं 38 के अंतर्गत किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और यह वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

### जांच शुरूआत

7. समीक्षा की आवश्यकता के पर्याप्त प्रमाण सहित घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम इष्टव्य साक्ष्य के आधार पर स्वयं संतुष्ट होकर प्राधिकारी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की की धारा 9क(5) के अनुसार प्रभावी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क के समापन से पाठन एवं क्षति की अवस्थिति बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की सम्भावना है, एतद्वारा एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हैं।

### समीक्षा में अंतर्गत देश

8. इस समीक्षा में अंतर्गत देश एमबीटी, सीबीएस, टीटीक्यू, पीबीआई और टीएमटी नामक रबड़ रसायनों के लिए चीन जन. गण. तथा पीएक्स 13 (6 पीपीडी) नामक रबड़ रसायन के लिए चीन जन. गण. एवं कोरिया आर. पी. है।

### जांच की अवधि

9. वर्तमान समीक्षा के उद्देश्यों के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 2012 से 3 दिसम्बर, 2012 (12 माह) है। तथापि, जांच की इस अवधि में वर्ष 2009-10, 2010-11, 2011-12 और जांच की अवधि को को शमिल किया जाएगा। पाटन एवं क्षति की सम्भावना का निर्धारण करने के लिए जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच भी की जा सकती है।

### प्रक्रिया

10. इस समीक्षा में दिनांक 01 अक्टूबर, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/5/2007-डीजीएडी के सभी पहलू शमिल होंगे।

### सूचना प्रस्तुत करना

11. संबद्ध देशों के जात निर्यातकों और संबद्ध देशों की सरकारों को भारत स्थित उनके राजदूतावासों के जरिए, भारत में संबद्ध उत्पाद से संबंधित जात आयातकों और उनके प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित स्वरूप और ढंग से संगत जानकारी प्रस्तुत करने और अपने विचारों से प्राधिकारी को अधोलिखित अधोलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से संबंधित किया जा रहा है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनराधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

कमरा सं. 240, उद्योग भवन,

नई दिल्ली-110011

12. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित स्वरूप और ढंग से जांच से संगत निवेदन कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय प्रस्तुतिकरण करने करने वाले किसी भी पक्षकार को उसका अ-गोपनीय पाठ अन्य पक्षकारों के लिए उपलब्ध कराना अपेक्षित होगा।

### समय-सीमा

13. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई भी सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए तकि यह प्राधिकारी के के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों (चालीस दिनों) से अन्तिक समय के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी पाटनराधी नियमावली के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

14. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतहवारा सलाह दी जाती है कि वे प्रस्तुत मामले में अपने हित (हित की प्रवृत्ति सहित) के बारे में सूचित करें और अपनी-अपनी प्रश्नावलियों के प्रत्युत्तर दायर करें तथा घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के अंदर प्रस्तुत करें।

#### गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

15. प्रश्नावली के उत्तर/निवेदन के किसी भाग के लिए गोपनीयता का दावा किए जाने के मामले में इसे दो अलग-अलग आगों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए : (क) गोपनीय के रूप में चिन्हित (शीर्षक, विषय विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि) और (ख) दूसरा भाग अगोपनीय के रूप में चिन्हित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि)। उपलब्ध कराई गई समस्त सूचना में प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से “गोपनीय” अथवा “अगोपनीय” लिखा जाना चाहिए।

16. किसी भी तरह के चिन्ह के बिना उपलब्ध कराई गई सूचना अगोपनीय समझी जाएगी और प्रधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी किसी भी अगोपनीय सूचना के निरीक्षण की अनुमति प्रदान करने हेतु स्वतंत्र होंगे। गोपनीय तथा अगोपनीय दोनों रूपांतरों की पांच (5) प्रतियां प्रस्तुत की जानी चाहिए।

बात का ठोस कारण बताते हुए विवरण प्रस्तुत करना होगा कि वह सूचना प्रकट क्यों नहीं की जा सकती और/ अथवा उस सूचना का सारांश बनाना क्यों संभव नहीं है।

18. अगोपनीय सूचना, गोपनीय सूचना की प्रतिकृति होना अपेक्षित है जिसके साथ गोपनीय सूचना को, उस सूचना के आधार पर जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है, सूचीबद्ध किया जाए/संक्षेप में बताया जाए। अगोपनीय सारांश गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के विषय का एक युक्तिसंगत विवरण होना चाहिए जिससे उस विषय को समझा जा सके। फिर भी, विशेष परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाली पार्टी दर्शा सकती है कि ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है और कारणों का एक व्यौरा कि क्यों संक्षेपण संभव नहीं है, निर्दिष्ट प्रधिकारी की संतुष्टि हेतु मुहैया कराना चाहिए।

19. प्रस्तुत की गई सूचना की प्रकृति की जांच के उपरांत प्रधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्रधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता हेतु अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा सूचना का आपूर्तिकर्ता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य अथवा सारांश रूप से इसके प्रकटीकरण को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं।

20. सार्थक अगोपनीय पाठ के लिना अथवा गोपनीयता के दावे के संबंध में दिए गए कारण के व्यौरे के बिना प्रस्तुत की गई सूचना को निर्दिष्ट प्रधिकारी रिकार्ड में नहीं लेंगे। प्रधिकारी, प्रदत्त सूचना से संतुष्ट होने और गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार कर लेने पर, ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार द्वारा विशेष रूप से प्राधिकृत किए बिना, किसी भी पक्षकार के समक्ष इसे प्रकट नहीं करेंगे।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

21. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्षों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

### असहयोग

22. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं करता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्रधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केंद्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्रधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING & ALLIED DUTIES)

### INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 30<sup>th</sup> April, 2013

(Sunset Review)

**Subject:** Initiation of Sunset Review anti-dumping investigation concerning imports of 'Rubber Chemicals, namely, MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT, originating in or exported from China PR and imports of PX-13 (6PPD) originating in or exported from China PR and Korea RP - regarding

**No.15/1/2013-DGAD:-** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Anti Dumping Rules or the Rules) the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) had recommended imposition of anti dumping duty on imports of Rubber Chemicals, namely, MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT (hereinafter referred to as the subject goods) from China PR and PX-13(6PPD) {hereinafter referred to as the subject goods} from China PR and Korea RP {hereinafter referred to as the subject country(ies)} vide Final Findings Notification No.14/5/2007- DGAD dated 1<sup>st</sup> October, 2008. On the basis of the Final Findings, definitive anti dumping duties on the subject goods imported from subject country(ies) were imposed by the Department of Revenue vide Notification No.133/2008-Customs dated 12<sup>th</sup> December, 2008. These Findings with respect to imports of PX-13 (6PPD) from Korea RP were modified by the Authority in a Mid-Term Review investigation vide Final Findings Notification No. 15/21/2010-DGAD dated 5<sup>th</sup> August, 2011 and whereupon with respect to imports of PX-13 (6PPD) from Korea RP, the anti-dumping duty was modified vide Customs Notification No. 92/2011 dated 20<sup>th</sup> September, 2011.

### Request for Review

2. AND WHEERAS, M/s National Organic Chemical Industries Limited (NOCIL), Mumbai, representing the Domestic Industry has approached the Authority with a duly substantiated application requesting for such a review, and the Authority on the basis of prime facie evidence considers that initiation of sunset review

proceedings for the anti-dumping duties in force on imports of Rubber Chemicals, namely, MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT from China and PX-13 (6PPD) from China and Korea RP would be appropriate to examine the need for continued imposition of such duties to offset dumping and whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied or both.

#### **Grounds for review**

3. The request is for review and continuation of the anti-dumping duties in force. The request is based on the grounds that dumping has continued in spite of imposition of anti-dumping duty on import of the subject goods from the subject country(ies) and the domestic industry continues to suffer injury on account of dumping from the subject country(ies) as the form and quantum of anti-dumping duty in force has been insufficient. The applicant has further argued that expiry of the measure against the subject country(ies) would be likely to result in continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The applicant also claims that revocation of anti-dumping measures would result in intensified injury to the domestic industry and, therefore, the duty is required to be continued for a further period of five years.

#### **Domestic industry**

4. The application has been filed by M/s National Organic Chemical Industries Limited (NOCIL), Mumbai, on behalf of the domestic producers of the subject goods. As per information available on record, the applicant accounts for a major proportion in Indian production of the subject goods and, therefore, constitute the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules.

#### **Product under Consideration**

5. The products under consideration in the present investigation are the following Rubber Chemicals:

- i) MBT, having chemical description 2-Mercapto Benzothiazole, with other trade/brand name as Accelerator M, Accelerator MBT etc.
- ii) CBS, having chemical description N-Cyclohexyl-2-Benzothiazole Sulphenamide with other trade name/brand names as Accelerator CZ, Accelerator HBS, CBS etc.
- iii) TDQ, having chemical description Polymerized 2,2,4 – Trimethyl-1,2-dihydroquinoline with other trade/brand names as TMR or Antioxidant RD etc.
- iv) PVI, having chemical description N-(Cyclohexylthio) Pthalimide with other trade/brand names as Anti Scorch agent CTP, PVI etc.
- v) TMT having chemical description as Tetramethylthiuram Disulfide with other trade/brand names as Accelerator TMTD Thiuram C etc.
- vi) PX-13 (6PPD) having chemical description N-(1,3-dimethyl butyl)-N Phenyl-P-1 with other trade/brand names as 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax 13 Vulcanox 4020 etc.

6. This being a Sunset review, the present investigation covers the products covered in the original investigation. The subject rubber chemicals, as detailed above, are used in treating natural rubber and synthetic rubber based compounds. The products do not have a dedicated classification at 8 digit level. The products are stated to be imported under chapter 29 and 38 of the Customs Tariff Act. Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of investigation.

#### **Initiation**

7. Having satisfied itself on the basis of the prima facie evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Authority hereby initiates a Sunset Review in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read

1773 GI/13-3

with Rule 23 of Anti Dumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

**Country involved:**

8. The country(ies) involved in this review investigation is China PR in respect of Rubber Chemicals, namely, MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT, and China PR and Korea RP in respect of Rubber Chemical, namely, PX13 (6PPD).

**Period of Investigation:**

9. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is 1<sup>st</sup> January 2012 to 31<sup>st</sup> December 2012 (12 months). However, injury analysis shall cover the years 2009-10, 2010-11, 2011-12 & POI. The data beyond POI may also be examined to determine the likelihood of dumping and injury.

**Procedure**

10. The review will cover all aspects of Notification No.14/5/2007-DGAD dated 1<sup>st</sup> October, 2008.

**Submission of Information**

11. The exporters in the subject country(ies), their governments through their Embassies in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**The Designated Authority**  
**Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties**  
**Ministry of Commerce and Industry**  
**Department of Commerce**  
**Room No 240, Udyog Bhavan, New Delhi-110011**

12. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

**Time Limit**

13. Any information relating to the present review should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the AD Rules.

14. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application within 40 days from the date of publication of this Notification.

**Submission of information on confidential basis**

15. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire's response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.

16. Information supplied without any mark shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies each of the confidential version and the non-confidential version must be submitted.

17. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

18. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out/summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible of summary; a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.

19. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

20. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

#### **Inspection of Public File**

21. In terms of Rule 6(7) of the AD Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

#### **Non-cooperation**

22. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. S. DEEPAK, Designated Authority